

12.09 hrs.

### MESSAGE FROM RAJYA SABHA

SECRETARY : Sir, I have to report the following message received from the Secretary-General of Rajya Sabha :—

"In accordance with the provisions of rule 111 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Rajya Sabha, I am directed to enclose a copy of the National Waterway (Allahabad-Haldia Stretch of the Ganga - Bhagirathi - Hooghly River) Bill, 1982, which has been passed by the Rajya Sabha at its sitting held on the 27th July, 1982."

### NATIONAL WATERWAY (ALLAHABAD - HALDIA STRETCH OF THE GANGA - BHAGIRATHI - HOOGHLY RIVER) BILL

AS PASSED BY RAJYA SABHA

SECRETARY : Sir, I lay on the Table of the House the National Waterway (Allahabad - Haldia Stretch of the Ganga-Bhagirathi-Hooghly River) Bill, 1982, as passed by Rajya Sabha.

12.10 hrs.

### MATTERS UNDER RULE 377

(i) Need to check and cure the disease affecting apple crop in Himachal Pradesh and J.K.

SHRI CHINTAMANI JENA (Bala-sore) : Under Rule 377, I am making the following statement :

Apple scab, one of the most dreaded disease has been playing havoc with the apple crop in Himachal Pradesh and to some extent in Jammu and Kashmir for the past several years. Even last year, this disease caused appreciable damage to the fruit. The current apple crop in Himachal which in any case is not in a good shape owing to the freakish weather in April-May, is again facing serious threat from the disease. Random surveys conducted during the past few year have revealed that this fungal disease has almost established itself in pockets of all the major apple growing areas of Himachal Pradesh. The fungus has been found to exist in both forms perfect

(*Venturia inaequalis*) and imperfect (*Spilocaea Pomi*). The spores produced by the gungus (technically called ascospores) have been observed to be the primary source of infection. It is now possible to predict the likely disease potential in a particular season by studying the maturity and productivity of ascospore.

Although several methods of controlling this disease have been discovered, experts lay more stress on preventive, rather than curative measures. The ideal method is the growing, three hybrids (identified by number 82, 84 and 157) developed in Himachal Pradesh have remained free from this disease under natural conditions as well as in experimental fields where they were deliberately exposed to the infection. Planning of such varieties on a large scale provided an easy way to combat the menace, but till now no grower has started its plantation in a large scale due to absence of proper persuasion and wide propaganda and demonstration etc.

Some fungicid spray schedules have been worked out as prophylactic measures for warding off this disease. Spraying of 0.3 per cent solution of this fungicide in summer can effectively control primary as well as secondary scab on both leaves and fruit. Other fungicides for this purpose include Bayoor, Sisthan, Bavistin, Dithane, Daconil and Delan. Application of four fungicides (Bavistin, Dithane M.45, Diforlatan and Cuman-L) in six sprays starting with the release of ascospores can provide almost complete control of scab disease. These fungicides have also been found to suppress some other fungal maladies including leafspots, sooty-blotch and fly-speck, and some pests like the red spider-mites. But due to proper knowledge of the apple growers in Himachal Pradesh and Kashmir specially who reside in countryside, the number of such growers would be 85 per cent in the state, they don't know the application of the pesticides except very few whose number can be counted on fingers.

In considering the gravity of the situation since the economy of the two states depend upon this apple cultivation, the Government may kindly take up the issue with the state government concerned so

[Shri Chintamani Jena]

that sincere efforts to save the crop from pest attack etc. may be made. The Honourable Minister for Agriculture may kindly issue a statement on the floor of the House on their action to check and cure the diseases.

श्री चन्द्रपाल शैलानी (हाथरस) : अध्यक्ष जी, इनको क्या हो गया है ?

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने बोल तो दिया फिर आप यह कह रहे हैं ।

We will consider it.

(व्यवधान)

श्री चन्द्रपाल शैलानी : पानी पी लो, गला सूख गया होगा ।

अध्यक्ष महोदय : मिस्टर शैलानी, आप अपना काम करिये, वे अपना कर रहे हैं ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं आप से बात कर रहा हूँ, आप उनसे भी बढ़ रहे हैं । आप बैठिये और बैठ कर, आकर के मुझ से बात कीजिए ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मेरे पास आइये, हम बात करेंगे ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने बारी-बारी से कहा है कि मेरे कंसीड्रेशन में है । आप मुझ से मिलियेगा ।

SHRI RAM VILAS PASWAN (Hajipur) : Under active consideration ?

अध्यक्ष महोदय : बिल्कुल एक्टिव कंसीड्रेशन, बेरी एक्टिव कंसीड्रेशन में है । Come on. आपने मुझ से यह बात पहले क्यों नहीं कहलवा ली ?

(Interruptions)\*

MR. SPEAKER : Not allowed.

(ii) Steps to check kidnapping of children

श्री चन्द्रपाल शैलानी (हाथरस) : अध्यक्ष महोदय, देश के घनी आबादी वाले शहरों में बच्चों का अपहरण कर उनसे भीख मंगवाने का घन्घा करने वाले अनेक गिरोह बहुत दिनों से सक्रिय हैं । दिल्ली में अगामी नवम्बर में प्रारम्भ होने जा रहे एशियाड खेलों को

देखते हुए इस प्रकार के गिरोह और अधिक सक्रिय हो गये हैं और घद्घद् बच्चों का अपहरण कर रहे हैं ।

12.16 hrs

MR. DEPUTY : Speaker in the Chair.

इन गैंगों में पुरुष और महिलाएं दोनों ही हैं । गत माह इसी प्रकार के एक गैंग ने कानपुर शहर से एक चौदह वर्षीय बच्चे का अपहरण किया था जो काफी प्रयास के बाद वाराणसी रेलवे स्टेशन से बरामद किया गया । बालक को बुरी तरह पीटा गया था, बिजली के झटकों लगा कर दिमाग का संतुलन बिगाड़ दिया गया था । दूसरी घटना गाजियाबाद जिले के पिलखुम्ना नगर में हुई जहां स्टेशन पर एक व्यक्ति से बोरी में बन्द तीन बच्चों को बुरी हालत में बरामद किया गया । बच्चों के अपहरण का ऐसी ही कई घटनाएं अलीगढ़ नगर और ममीपवर्ती क्षेत्रों में हो चुकी हैं । कुछ में बच्चे किसी प्रकार बचकर भाग आये हैं । भाग कर आये बच्चे इतने भयभीत हैं कि वे कुछ भी अपने परिवार के सदस्यों को नहीं बता पाते । अभी कुछ बच्चों का पता नहीं चल सका है । इसी प्रकार की एक घटना अभी कुछ दिन पहले अलीगढ़ के जयगंज मोहल्ले में हुई, जहां दो औरतें एक बच्चे का अपहरण कर के चल दी, संदेह होने पर मोहल्ला वासियों ने इन औरतों को घर पकड़ा और उनसे तीन बच्चे बरामद हुये जिनमें से एक जयगंज ही का था ।

जानकार सूत्रों से मालूम हुआ है कि इस प्रकार बच्चों का अपहरण कर के बड़े शहरों में बेच देते हैं जहां एक बड़ा गिरोह बच्चों के अंग-भंग कर उन्हें यातनायें दे कर पिछला सब कुछ भुला देते हैं । जब बच्चे पिछला सब कुछ भूल जाते हैं तो उनसे भीख मंगवाने का घन्घा कराया जाता है । भीख का सारा का सारा पैसा गैंग का मुखिया हड़प लेता है और बच्चों को जीने के लिये केवल पेट भर रोटी मुश्किल से देता है ।

एशियाड खेलों को देखते हुए उन्हें टूटी-फूटी अंग्रेजी बोलने की ट्रेनिंग भी दी जाती है ताकि वे विदेशी नागरिकों को अपनी बात समझा कर भीख में अच्छी रकम प्राप्त कर सकें । मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस प्रकार के अमानुषिक अपराधों की रोकथाम के लिये कोई ठोस कदम अमल में लाया जाए ।

(iii) Steps to ameliorate condition of handloom weavers in the country.

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे देश में बुनकरों की आर्थिक स्थिति